रविवासरीय
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
रविवार, 22 अप्रैल 2018, बरेली, पांच प्रदेश, 20 संस्करण
www.livehindustan.com

अभिभावकों से दूरी अपराध की वजह

बरेली | वरिष्ठ संवाददाता

श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडीकल साइंसेज के बाल रोग विभाग एवं यूपी स्टेट इंडियन अकेडमी आफ पिडियाट्रिक्स और इंडियन अकेडमी आफ पिडियाट्रिक्स बरेली ने संयुक्त रूप से शनिवार को एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। इसका विषय किशोरों में बढ़ रही अपराध की प्रवृत्ति रही। विशेषज्ञों ने किशोरों के शारीरिक-मानसिक विकास के साथ परिवार के साथ बढ़ रही संवादहीनता पर चर्चा की।

कार्यक्रम का मुख्य अतिथि स्कूल एसोसिएशन के चेयरमैन पारूष अरोरा, संस्थान के प्राचार्य डा. जेके गोयल, आयोजक अध्यक्ष डा. पीएल प्रसाद, सचिव डा. अनीता कुमारी, डा. अतुल अग्रवाल, डा. प्रीति गलगली, डा. पियाली भट्टाचार्या ने दीप जलाकर उद्घाटन किया। सेमिनार में डा. पियाली भट्टाचार्या, डा. प्रीति गलगली, डा. रोली मोहन समेत कई स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। जीआरएम, दि गुरू इन्टरनेशनल, अल्मा मातेर, मानस स्थली, चिक्कर इन्टरनेशनल, सेंट जेवियर्स. बेदी इन्टरनेशनल. पद्मावती

एसआरएमएस में हेल्थ पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद अतिथि। • हिन्दुस्तान

सेमिनार

- किशोरों में आपराधिक प्रवृत्ति: वजह और निदान विषय पर चर्चा
- विशेषज्ञों ने शारीरिक-मानसिक विकास पर दिया वक्तव्य

ऐकेडमी, सोबती इन्टरनेशनल, कृष्णा इन्टरनेशनल स्कूल, विशप कानराड स्कूल इत्यादि के लगभग 250 छात्र शामिल हुए। सीएमई में मुख्य अतिथि पारूष अरोरा ने किशोरावस्था में होने वाले विभिन्न बदलावों के विषय में बताया। डा. प्रीति गलगली ने बताया कि आजकल किशोर अवस्था उम्र के बच्चे अपने दोस्तों के साथ अत्यधिक समय व्यतीत करते हैं तथा माता-पिता की बातों को अधिक महत्व नहीं देते हैं। इससे दो पीढ़ियों में संवादहीनता बढ़ रही है। डा. पियाली भट्टाचार्या ने बच्चो एवं उनके अभिभावकों के साथ विचार-विमर्श किया और आपसी सामंजस्य को जरूरी बताया। इस अवसर पर स्कूल के छात्रो ने पोस्टर भी प्रदर्शित किया। इसमें प्रथम पुरस्कार मानस स्थली स्कूल और द्वितीय पुरस्कार बेदी इन्टरनेशनल स्कूल को मिला। कार्यक्रम में प्राचार्य डा. जेके गोयल, डायरेक्टर मेडिकल डा. निर्मल यादव, चिकित्सा अधीक्षक ब्रिग्रे. डा. एसके हाण्डा, डीन पीजी डा. ललित सिंह समेत सभी विभागाध्यक्ष चिकित्सक मौजद रहे।